MR. CHAIRMAN: I shall first put the Motion moved by Dr. Manmohan Singh July seconded by Shri Pranab Mukherjee o vote. The question is:

That Dr. (Shrimati) Najma Heptulla be chosen as the Deputy Chairman of the Rajya Sabha.

The Motion was adopted

MR. CHAIRMAN: I declare that Dr. Shrimati) Najma Heptulla has been cho-en as the Deputy Chairman of the Rajya tabha.

Now, Dr. (Shrimati) Najma Heptulla nay please be conducted to her seat by he Leader of the House and the Leader of the Opposition.

Felicitations to Dr. (Shrimati) Najma ieptulla. Hon. Prime Minister, please.

FELICITATIONS TO THE DEPUTY CHAIRMAN

प्रधानमंत्री(श्री अटल बिहारी वाजपेयी): सभापति महोदय,श्री मती नज़मा हेपतुल्ला सर्वसम्मति से उपसभापति के रूप में निर्वाचित हुई है,मैं उनको बधाई देना चाहता हूं,उनका अभिनंदन करना चाहता हूं । नज़मा ही और राज्यसभा,ये पर्यायवाची शब्द हो गए हैं । आप नज़मा जी का ज़िक्र करें और राज्यसभा आपके ध्यान में न आए,ऐसा हो नहीं सकता । इसी तरह आप राज्यसभा की चर्चा करें और नज़मा जी का उल्लेख न हो,ऐसा भी नहीं हो सकता । सचमुच में वर्षो के सदस्यता काल में जिसमें उन्होंने उपसभापति जी आसन को भी सुशोभित किया है,नज़मा जी ने जिस तरह से व्यवहार किया है,जिस तरह से सबको साथ लेकर चलने का प्रयास किया है और उसमें सफलता भी पाई है,उसके कारण आज वह स्थिति उत्पन्न हुई है कि नज़मा जी आज फिर से सबकी राय से इस पद पर बैठी हैं । प्रश्नकाल के बाद जो शून्यकाल होता है,उसमें परंपराएं,सदन को चलाने के अन्य तरीके,नज़मा जी उन सबसे परिचित हैं और बड़ी कुशलता के साथ सदन का संचालन करती हैं ।

सभापति महोदय,मैं कभी-कभी सोचता था कि नज़मा जी लोकसभा को भी अपने पहुंचने का लाभ देंगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ । वह फिर से राज्यसभा की सदस्य निर्वाचित हुई और आज फिर से इस पद पर विराजमान हो रही हैं । मैं उन्हें बधाई देना चाहता हूं ।

महोदय,उपसभापति के रूप में उन्हें उधर बैठना हैं । उनके पास विरोधी दल के नेता को बैठने की जगह मिलती है । डा.मनमोहन सिंह जी आज प्रतिपक्ष में हैं और विरोधी दल के नेता हैं । वे बड़े संतुलित ढंग से व्यवहार करते हैं । इस समय सदन की जो स्थिति है,उस स्थिति में सबने मिलकर एक फैसला किया । मुझे बहुत आंनद हैं । नज़मा जी को मैंने सदन में देखा है और सदन के बाहर देखा हैं ।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में वह जिस तरह भारत का प्रतिनिधित्व करती रही है,प्रभावशाली ढंग से प्रतिनिधित्व करती रही है,इससे हम सब लोग परिचित हैं । अन्य देशों के संसद सदस्यों से,वहां के अध्यक्षों से,राष्ट्राध्यक्षों से नज़मा जी भली-भाति जुड़ी हुई है और इसका लाभ-जब वह विदेशों में जाती हैं तो किसी भी प्रतिनिधि मंडल में हम देखते हैं कि वह अपने दायित्व का किस कुशलता से पालन करती है,वह भी हमारी दृष्टि में आता है । मैं नज़मा जी को एक बार फिर हृदय से बधाई देता हूं और मुझे विश्वास है कि उधर बैठने के बाद भी वह इधर का भी ख्याल रखेंगी ।

DR. MANMOHAN SINGH (Assam): Mr. Chairman, Sir, I rise to associate myself fully with the sentiments so eloquently expressed just now by the hon. Prime Minister.

Dr. Najma Heptulla's unanimous election to the august position of Deputy Chairman of Rajya Sabha is a richly deserved tribute to her vast fund of wisdom, knowledge and experience. Those of us who have watched her in guiding the destiny of this House for many years would bear testimony to the great skill with which she has handled some of the most delicate issues which have come up from time to time in this House.

We are a developing country. We take pride in being a functioning democracy. The process of social change has never been smooth anywhere. There are occasions when what happens outside the House and the problems which our country faces, give rise to a great deal of

turbulence. It is one of the functions of the presiding officers of this House to canalise this turbulence to find constructive and meaningful solutions to the mul-tifaceted problems that this country faces in its quest for a life of dignity and self-respect for the entire Indian people. We feel safe in Dr. Najma Heptulla's hands in discharging this onerous responsibility.

As the Prime Minister has said, Sir, she has represented our country in numerous international fora. In all these, fora she has done us proud as a representative of our country, as a representative of our composite culture, as one who embodies in herself the best and the brightest traditions of our country.

With these words, I wish Dr. Najma Heptulla a glorious innings in the new capacity of Deputy Chairperson of Rajya Sabha.

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal) : Mr. Chairman, Sir, we join in and share the happiness in felicitating Dr. Najma Heptulla on her re-election as Deputy Chairman of this House. Seasoned parliamentarians like the Prime Minister himself and erudite former Finance Minister and very able Leader of the Opposition have felicitated her. While sharing our happiness with the rest of the House, we think that these are very troubled times which we are passing through.

Several basic tenets of our civilisation, of our Constitutional premises are under great strain. The world at large, and the Indian people in particular, are looking towards this highest forum of the Indian people, the Council of the States. So, we would like to echo thee sentiments expressed by Dr. Manmohan Singh about strengthening the pluralism that is inherent in our Indian culture, our secular beliefs and the more complicated scenario that we have in terms of the Centre State relations in this country today with a lot of new political forces emerging. Unless we can realise and translate some of the aspirations of the newer sections of the Indian people, who are coming and aligning themselves wil the Indian political life, we will not I doing justice to their aspirations. wll have full faith that Dr. Najma Heptulli as she has rendered herself ve: creditably in the past, will in future als lead and conduct the business of the House, a complicated task, in a manne which will allow all of us to really b equal to the task that the Indian people desire of us. With these words, I one again congratulate her.

Dr. ALLADI P. RAJKUMAR (Andhra Pradesh): Sir, on behalf c Telugu Desam party, on behalf of m leader, Mr. Chandrababu Naidu and m colleagues, I wholeheartedly congratulat Madam Najma Heptulla on her bein elected as Deputy Chairman of this august House for the fourth term.

Sir, for the last four years I have bee watching the way she has been protectin this august House giving excellent ruli.igs I wish her prosperity in many way through this Chair.

Sir, I remember one proverb: "Wher the heart beats, it speaks meaningful. That is the way Madam Heptulla wa doing. I pray to God to give her moring strength in order to give more protections to the Members of this House.

I once again congratulate her.

SHRI S.R. BOMMAI (Karnataka) Sir, I join with the hon. Prime Minister the Leader of the Opposition and my colleagues in expressing the fines sentiments in favour of Dr. Najma Heptualla. She is a symbol, as she inherits the culture, the heritage o freedom struggle literally and the value of freedom struggle. I say so because she comes from that family.

As a Deputy Chairman for the las decade, she has maintained the dignit; and the honour and has upheld the rule and conventions. She has handled th turmoils very carefully and has protectc the rights of the hon. Members of bot!

the sides. Sometimes we cannot think of a Deputy Chairman without Dr. Najma Heptulla. Sir, I once thought that she would change, that Chair and occupy the Chair of a Minister. That was a time. I thought of her to be elevated to the Ministership. I am saying so because she deserved it. In this very very complex political situation, I do not know whether she will get such an opportunity. Anyway, I wish her well, prosperity, health and everything.

श्री ईश दत्त यादव(उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति जी,इस माननीय सदन के उपसभापति पद पर श्रीमती नाज़मा हेपतुल्ला के चौथी बार निर्वाचित होने पर मैं अपनी ओर से और अपनी समाजवादी पार्टी की ओर से तथा अपने नेता मुलायम सिंह यादव जी की ओर से हार्दिक बधाई देता हूं। मान्यवर,लगभग दस वर्षो से मैं इस माननीय सदन का सदस्य हूं और श्रीमती हेतपुल्ला जी शायद उसी के आस-पास से इस सदन की उपसभापति हैं ।मुझे बड़ी प्रसन्नता,इनकी योग्यता की,जानकारी की,इनके अनुभव तथा विद्वता की होती हैं । साथ ही सफलतापूर्वक इस सदन को संचालित करने के लिए इनमें जो गुण हैं,इससे मैं तथा पूरा सदन प्रभावित है और इसीलिए,मान्यवर,पूरे सदन में इस बार इनको सर्वसम्मति से,निर्विरोध,इनको निर्वाचित किया है ? यह इनके गुण,इनकी विद्वता और सफलता-पूर्वक इस सदन का संचालन करने का ही परिणाम है कि सर्वसम्मति से इनका निर्वाचन हुआ हैं।

मान्यवर,शून्यकाल इनके लिए बड़ा कठिन हो जाता है । लेकिन इसका संचालन ये बखूबी करती हैं । जब कभी ये गुस्से में होती है तो मैं समझ लेता हूं कि अब काम बन जाएगा। एक आध बार मेरे इस सदन में रहते हुए मेरे ऊपर भी वे गुस्सा हुई हैं। एक बार तो इन्होंने मेरे खड़े होते ही सदन को स्थगित कर दिया । मैं इनके कमरे में गया और इनसे क्षमा याचना की और वे प्रसन्न हो गई और मुझे खूब बोलने का भी इन्होंने मौका दिया । इनके गुस्से में प्यार छिपा रहता है और हम सब लोगों को उनसे बहुत सम्मान मिलता है और हमें बहुत कुछ इनसे सीखने को मिलता है। इसलिए मैं विशेषरूप से इनका आभारी हूं। माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा है कि आज इस तरफ बैठी हुई है,नेता विपक्ष के पास बैठती है,लेकिन वे इधर का भी ख्याल रखें । तो वह बैठती उधर है और आपका भी ख्याल रखेंगी लेकिन हमारी आपसे प्रार्थना है कि हम जो बीच वाले है,बीच में बैठते हैं,हमारा भी आप ख्याल रखिएगा।

इन शब्दों के साथ मैं पुनः श्रीमती नज़मा हेपतुल्ला जी को हार्दिक बधाई देता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिनों दिन इनका यश,इनका वैभव और इनकी ख्याति बढ़ती जाए। बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री रंजन प्रसाद यादव(बिहार): सभापति महोदय,मैं अपनी ओर से और राष्ट्रीय जनता दल की ओर से नज़मा जी को पुनः इस सदन का डिप्टी चेयरमैन चुने जाने पर बधाई देता हूं। मैं पिछले आठ वर्षो से इस सदन का सदस्य हूं। मैंने देखा कि निष्पक्ष रूप से ये सदन को चलाती रही हैं। मैं आशा करता हूं कि भविष्य में भी आप निष्पक्ष रूप से सदन को चलाती रहेंगी। मैं यह आश्वासन देता हूं कि सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए राष्ट्रीय जनता दल की ओर से इनको हम पूरा-पूरा सहयोग देते रहेंगे।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Mr. Chairman, Sir, let me compliment and congratulate our honoured colleague, Madam Najma Heptulla. I also take this opportunity to thank the Congress Party for nominating her as a candidate for the post of Deputy Chairman. We all know that Madam Najma Heptulla has been intimately associated with the fruitful functioning of Rajya Sabha for long. Let it be understood that the country is at the cross-roads. Human distress is on the rise. The problem of non-fulfillment of expectations of the people is bound to find reflection in the House. There is bound to be turbulence. There are bound to be angry exchanges. There are bound to be reflections of the mood of impatience of the people. But, at the same, the House must function in the way it should. The parliamentary system has to be protected becasue Parliament is the only forum to bring about a change—social, political and economic in the country. Members' rights have to be protected. Vital issues must be allowed to be raised. Sir, I believe, her august presence shall contribute to the dignified performance of the Hosue as a collective forum of the nation. Thank you, Sir.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu): Mr. Chairman, Sir, I do associate myself with the sentiments expressed by the hon. Prime Minister as

well as the hon. Leader of the Opposition on the election of the Deputy Chairperson. I congratulate as well as felicitate her on behalf of my self and on behalf of the DMK party to which I have the honour to belong. Whenever the issue of unity and integrity comes up in this Hosue, forgetting the differences among the political parties we use to stand as one man. In the same way, in electing the Deputy Chairperson, now, we stood as one man and elected her. This unity is achieved because, actually, our Deputy Chairperson is well-versed with the rules and regulations and traditions of this House. Under her protection for more than a decade, we have had the House conducted in a proper manner. The second reason for her election as the Deputy Chairman, I feel, is that the democratic system in our country has developed from the infant stage to the adult stage. Under the leadership of the Depurty Chairman, the prestige of this House would be further enhanced. We share the happiness expressed by our colleagues. Once again I congratulate and compliment Dr. Najma Heptulla on her election as our Deputy Chairperson. We do hope that under her protection, the prestige of this House would be further enhanced. Thank you.

SHRI R. MARGABANDU (Tamil Nadu): Mr. Chairman, Sir, I rise to felicitate, on behalf of my party, the ADMK, and my leader, Dr. Puratchi Thalaivi, Dr. Najma Heptulla on her election as the Deputy Chairperson of this august House consisting of eminent persons from various walks of life. To hold this post, it requires enourmous strength, intelligence and humanistic consideration. Dr. Najma Heptulla possesses all these qualities.

In our Tirukkural, there is a couplet:

"Idanai idanaal ivan mudikkum
enroindu Adanai avankan vidal."

A person who is capable of discharging a particular duty has to be chosen for that post. That is the meaning of the couplet. The post of Chairperson is equal to that of a Judge. He should have no fear or favour for anybody. The Tirukkural also refers to "saraan saidu seethookkum koalpol". There must be a balance maintained by a Judge or a Chairperson without leaning towards any side. I have been able to see, in my tenure of three years, Dr. Najma Heptulla treating all the partics, whether big or small, equally. Equal opportunities have been given and all have been treated as respected Members of this House, whether they belong to a big or a small party. At the same time, the post requires a lot of eminence because of our various positions, various languages. We have been able to see her switching from one language to another in a short time.

In this way, she was able to control the House in an effective manner. We have seen that sometimes she behaved like a teacher and treated the Members as students. Whenever there was turmoil in the House, she used to control the House in a very effective manner. She has again been elected as Deputy Chairman for another six years and I hope that at the end of six years or even before that, she would further be elevated to some commendable position. I once again congratulate her for having been elected to the office of the Deputy Chairman.

श्री सतीश प्रधान(महाराष्ट्र): सभपति महोदय,आज सदन में आदरणीय नज़मा हेपतुल्ला जी की उपसभापति की हैसियत से नियुक्ति हुई । मैं शिवसेना के सभी सांसदों की तरफ से उनको स्वागत करता हूं,अभिनंदन करता हूं ।6 साल पहले उनके पास से सैंकड़ प्रेफेंस के कुछ वोट मिलने की वजह से मैं इस सदन में आ सका था । मैं यह बताना चाहता हूं कि इस सदन में आने के बाद मुझे उनके पास से बहुत कुछ सीखने के लिए मिला । इस सदन में जब उनकी नियुक्ति डिप्टी चेयरमैन की हैसियत से हुई थी तभी से मैंने देखा है कि सदन जिस ढंग से वह चलाती थीं उसका अभियान होना चाहिए,गर्व होना चाहिए । उन्होंने जिस ढंग से सभी संसद् सदस्यों के साथ व्यवहार किया और कुछ आदर्श निर्माण करके रखे,उनका अभ्यास इतना महत्वपूर्ण और अच्छा था कि कानून की कोई भी प्राब्लम खड़ी हो या

चर्चा हो तो वह बहुत अच्छे ढंग से उसका रास्ता निकालती थीं और कानून समझा देती थीं। जब 1992 में हम यहां इस सदन में आए थे तो मैंने एक दूसरा अनुभव किया और मैं यह भगवान से प्रार्थना करूंगा कि उस ढंग से फिर से इस सदन में वह समय कभी दोबारा निर्माण न हो और जब कभी सदन के अच्छे-अच्छे बुजुर्ग सदस्य भी खुद वैल में आकर खड़े होते थे तथा शोर-शराबा यहां होता था तभी उस समय भी आपने अपना दायित्व संभालते हुए इस सदन के कारोबार को बहुत अच्छी तरह से व कुशलता से चलाया। इसीलिए मुझे पूरा विश्वास है और ऐसा लगता है कि इस टाईम भी जो आज की राजनीतिक परिस्थिति निर्मित हुई है,ऐसे समय में यह सब देखते हुए सभी सदस्यों ने यह सोचा होगा कि नज़मा जी अब फिर से दोबार यहीं डिप्टी चेयरमैन की चेयर पर बैठ कर इस सदन की गरिमा और बढ़ायेंगी । अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों को जो उन्होंने आयोजित किया था वह भी मुझे कुछ देखने का मौका मिला। उसमें उन्होंने हमें सहभागी किया था और तभी मैंने देखा कि अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन जिस ढंग से होना चाहिए और जिस अच्छे ढंग से आपका व्यवहार होना चाहिए तो वह भी देखने को मिला और हिन्दुस्तान की संसद का रिप्रेजेंटशन जब विदेश में करने का मौका मिला तब भी हिन्दुस्तान की शान उन्होंने पूरी दुनियां में बढ़ाई है। इसका हमें गर्व हैं।

इसलिए दोबारा फिर से मैं आदरणीय नज़मा जी,जो डिप्टी चेयरमैन के पद पर,उपसभापति के पद पर चुन कर आई है,उनका स्वागत करता हूं और अभिनंदन करता हूं। धन्यवाद।

श्री बलविन्दर सिंह भुंडर(पंजाब): सर,चेयरमैन साहब,आज फिर इस हाउस ने चौथी बार माननीय डा.नज़मा हेपतुल्ला जी को यूनानिमसली डिप्टी-चैयरमैन चुना है,उन को मैं भी अपनी पार्टी शिरामणि अकाली दल की ओर से सारे हाउस के साथ शामिल होकर बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

चेयरमैन साहब,हालांकि हम नये हैं और उनका पिछला व्यवहार हम ने नहीं देखा,लेकिन हमें यह महसूस होता है कि डा.साहब का हाउस चलाने का ढंग रहा,वे देश की शान बढ़ाने के लिए जब-डेलीगेशंस में गए,वहां जैसा काम किया और जैसा सारे मेम्बर्स के साथ व्यवहार किया,उस का ही यह नतीजा है कि हर छोटी पार्टी ने,बड़ी पार्टी ने बार-बार सब के साथ मिलकर इन को ऑनरेबल तरीके से यूनानिमसली चौथी बार डिप्टी-चेयरमैन चुना है। मैं यही आशा करता हूं कि जैसा पीछे उन्होंने हाउस में सब के साथ अच्छा व्यवहार किया है,हम चाहेंगे कि कई दफा जब टाइम की कमी होती है और छोटी-छोटी पार्टी वाले भी अपनी बात कहना चाहते हैं क्योंकि 50 साल की आजादी के बाद आज भी देश अनेकों समस्याओं से घिरा हुआ है,यहां हर मेंबर उन समस्याओं के संबंध में अपनी बात रखना चाहता हैं,समस्याओं के समाधान के लिए कुछ सुझाव देना चाहता है,तो आगे के लिए भी डिप्टी-चेयरमैन साहब सब को बराबर टाइम देती रहेंगी । चैयरमेन साहब,कानून के जरिए तो यह बात ठीक नहीं हो,लेकिन मैं मान के जरिए कहना चाहता हूं कि जो छोटी पार्टी वाले हैं,उन के पास टाइम कम होता है,उन का वे ज्यादा ध्यान रखा करेंगी ताकि हम सब अपनी-अपनी बात यहां कह सकें। इसलिए मैं दुबारा फिर सारे हाउस के साथ शामिल होकर,सब पार्टियों के साथ शामिल होकर हमारी पार्टी की ओर से भी दिल की गहराइयों द्वारा फिर बार-बार डा.नज़मा हेपतुल्ला के युनानिमसली चुने जाने पर उन्हें बहुत-बहुत बधाई देता हूं। धन्यवाद।

SHRI JAYANANT KUMAR MALHOUTRA (Uttar Pradesh): MR. Chairman, Sir, our hon. Prime Minister and our hon. Leader of the House in their felicitations to Dr. Najma Heptulla truly reflected the views of this House. She has conducted the proceedings of this House with knowledge, charm and very rare wit. Her unanimous election reflects the perfection that this House finds in her. I on my own behalf and also on behalf of the United Parliamentary Group felicitate her and extend our very best wishes for the new period of her tenture. The country at this point of time is fairly divided politically and this House reflects this divided polity, and her experience and knowledge would fill this void which would, otherwise, have adversely affected the proceedings of this House.

I once again wish her all the very best and, on behalf of my group, extend all the cooperation which she may be in need of thank you.

श्री शरीफ-उद्-दीन शरीक(जम्मू और कश्मीर): जनाबे सदर नर्शी वजीरे आजम से लेकर जनावे डा.मनमोहन सिंह तक और आप जितने भी दोस्त है,सब के ख्यालात के साथ और अपनी जमात नेशनल कांफरेंस

की तरफ से मोहतरमा नज़मा जी के डिप्टी-चेयरमैन बनाए जाने की ताईद भी करता हूं और यह भी कहता हूं कि उन्हें जो एज़ाज़ मिला है,ये उस की मुस्तहक है । इन्होंने अपनी लियाकत,अपनी काबलियत,अपनी दूरंदेशी और तजुर्बे से,अपने कौमी वुस्अतेकल्बी से,अपने कौमी और बेनुअल अकवानी मामलात पर अपनी बुस्अतेनज़री से ये जगह हासिल की है । इस अवसर पर मैं कांग्रेस की लीडरशिप को भी मुबारकवाद दूं कि उन्होंने इस ज़ौहरे नायाब को इस कुर्सी पर बिठाने के लिए आगे कर दिया । साथ ही यह भी कहना चाहता हूं कि उन की इतनी तरफी हुई है कि डर लगता है कि नज़मा जी को किसी की नजर न लग जाए । खुदा आफिज ।

†**شری شریف الدین شادق "جموں وکشمیر":** جناب صدر نشیں، وزیر اعظم سے لیکر جناب ڈاکٹر منموہن سنگھ تک اور آپ جتنے بھی دوست ہیں سبھی کے خیالات کے ساتھ اور اپنی جماعت نیشنل کانفرنس کی طرف سے محترمہ نجمہ جی سے ڈپٹی چیئرمین بنائے جانے کی تائید بھی کرتا ہوں اور یہ بھی کہتا ہوں کہ انھیں جو اعزاز ملا ہے، یہ اسکی مستحق ہیں۔ انھوں نے اپنی لیاقت اپنی قابلیت، اپنی دوراندیشی اور تجربے سے اپنے قومی وسعت قلبی سے، اپنے قومی اور بین الاقومی معاملات پر اپنے وسعت نظری سے یہ جگہ حاصل کی ہے۔ اس موقعہ پر میں کانگریس کی لیڈرشپ کو بھی مبارکباد دوں کہ انھوں نے اس گوہرنایاب کو اس کرسی پ ربٹھانے کے لئے آگے کر دیا۔ ساتھ یہ بھی کہنا چاہتا ہوں کہ انکی اتنی تعریف ہوئی ہے کہ ڈر لگتا ہے کہ نجمہ جی کو کسی کی نظر نہ لگ جائے۔ خدا حافظ۔

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Sir, on behalf of my party, the Tamil Manila Congress, our leader, Mr. Moopanar, and on my own behalf I would like to warmly felicitate Najmaji on her having been elevated once again as the Deputy Chairman of this House. In an increasingly chuvanistic and narrow-minded society, in a gendcr-discriminatoy society, it is a joy to sec that a woman is being elevated to this high post, not because she is a woman but because of the tremendous qualities that Najmaji has, by virtue of her dedication, her courage, her vision and her noble patriotic values.

As Mr. Bommai has just mentioned, Najmaji has the honour and privilege of coming from an eminent family associated with our freedom movement. I think I would be right in saying that her contribution to the parliamentary democracy has been very worthy of that noble legacy. Sir, we in the Rajya Sabha, in the Council of States, represent not only all the States of this great nation, but ulso come from every class, from every facet of this vast Indian diaspora. Rising above all those differences of background, of culture, of opinion and the geographical differences, we have managed to come together over the last few years to form one big happy family. If I may say so, if the nation and our polity had reflected the happy state that the Rajya" Sabha is in today, we would have laid the foundation of-grcat glory of this nation in the future. I would like to say that this spirit of the Rajya Sabha, this essential spirit of harmony in our parliamentary democracy, Najmaji has both captured and contributed to. In her handling of the House her" capacity of firmness is matched only by her capacity to cajole the Members into behaving

†[] Transliteration in Arabic Script.

well. With her quick smile and her ready with she has defused many a potentially troublesome situation in this House. I would like to add something that all of us who have been associated with her for many years, know that Najmaji has always given to her chamber a very sympathetic ear to all the problems of all the Members who have gone to her with their problems. She has gone out of her way to help the Members to solve such problems as they might Kave. For this alone, Sir, we would like to offer our heartfelt gratitude and we hope that she will continue in this fashion to solve the problems of Members when they go to her for help.

Above, all, Sir, I would like to say that Najmaji has an unshakeablc commitment to upholding the prestige of the Rajya Sabha which she has demonstrated fiercely over the years at various fora. For upholding the prestige of the parliamentary democracy, the prestige of the Rajya Sabha, 1 salute her. On behalf of our party I would like to offer our sincere cooperation in all her efforts to further uphold the prestige of this House, the prestige of parliamentary democracy. Sir, I would like to add that, notwithstanding whatever I have said before and notwithstanding the fact that Najmaji has once again been elected as the Deputy Chairman of this House—not because she is a woman but because of the tremendous qualities of head and heart that she has exhibited—I am happy that a woman will adorn this high office because it is my considered view, that, as a woman, she will lend more grace, charm and dignity to this august office and on that count also I would like to felicitate her.

Sir, my request to her is that in her capacity as the Deputy Chairman of this august body she should do her best to see that the Women's Reservation Bill is passed in the Rajya Sabha also. I wish her all the best and thank you, Sir.

डा.सी.नारायण रेड्डी(नाम-निर्देहित): सभापति महोदय,मैं सांसद बनने से पहले कवि बना था और आज संसद में ही कवि के नाते अपने एक तेलगू दोहे के रूप में नज़मा जी को हार्दिक बधाई देता हूं । इसका छाया-मात्र हिन्दी अनुवाद है-"जितनी योग्यता उतना ही गौरव शोभा देता है,सिर से बड़ा मुकुट धरे तो सिर को नीचा कर देता है ।"

नज़मा जी का पैदाइशी माहौल इल्मी है और उनके आला ख्यालात आलमी है । नज़मा जी ने उन्नत मस्तक को आज फिर एक बार समुचित मुकुट से अलंकृत किया गया है,इसकी हमें प्रसन्नता है । मैं नज़मा साहिबा को तहेदिल से मुबारावाद देता हूं ।

श्री गांधी आज़ाद(उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय,मैं अपनी ओर से एवम् अपने पार्टी बहुजन समाज पार्टी की ओर से डा.(श्रीमती) नज़मा हेपतुल्ला का उपसभापति चुने जाने पर हार्दिक स्वागत एवम् अभिनन्दन करता हूं । उपसभापति का कार्य आप द्वारा बहुत ही कुशलता एवम् सफल कार्यशैली द्वारा सम्पन्न किया जाता रहा है । इसी का परिणाम है कि सर्वसम्मति से आज आपका उपसभापति के पद पर चयन किया गया है । आप हमेशा नए व पुराने,सभी सांसदों पर बराबर ध्यान देती हैं ।

मैं आशा और विश्वास करता हूं कि उसी कार्यशैली के द्वारा आप पुनः ध्यान देती रहेंगी । मैं उनका पुनः हार्दिक स्वागत और अभिनन्दन करता हूं । धन्यवाद ।

सभापति: एक कविता के जरिए अगर खत्म हो तो,बालकवि जी,अच्छा होगा ।

श्री संघ प्रिय गौतम(उत्तर प्रदेश): सभापति जी,एक मिनट हमें भी दीजिए ।

श्री सभापति: आपकी पार्टी से हो गया ।

श्री बालकवि बैरागी(मध्य प्रदेश): माननीय सभापति जी,मैं आपका बहुत आभारी हूं । पार्टी की ओर से तो मनमोहन जी ने कुछ कह दिया है,स्वागत किया है । आपने देखा कि अटल जी यहां बोलकर गए तो वह उधर वालों की बात कहर चले गए कि हमारा ध्यान रखना । ईश दत्त जी ने कहा कि सामने वालों का ध्यान रखना । माननीय सभापति महोदय,हम तो पीछे बैठे हुए हैं,हमारा ध्यान रखने के लिए भी मुझे थोड़ा सा निवेदन करना है,चार पंक्तियां पढ़नी हैं । मैं नज़मा जी का ध्यान भी चाहता हूं,सदन का ध्यान भी चाहता हूं । बस इतना

भर आप देख लेंगी तो हमारा काम चल जाएगा । मुझे निवेदन करना है कि:-

हो मुबारक यह घड़ी,
आप लिख लीजिए,मैडम,इस बात को
हो मुबारक यह घड़ी,दिल से बधाई लीजिए
हमने रूतवा दे दिया,अब आप रौनक दीजिए
जो सामने हैं,रू-ब-रू हैं,वो तो यूं ही हैं
सिकन्दर
चाहे अटल जी हों,सिकन्दर जी हों,ये तो किस्मत के सिकन्दर हैं श्रीमान्,
सिकन्दर,
पर हम भी इस महफिल में हैं,कुछ मेहरवानी कीजिए ।
बहुत-बहुत शुक्रिया ।

श्री संघ प्रिय गौतम: सभापति जी,प्राइम मिनिस्टर सब पार्टी से ऊपर हैं,हमारी पार्टी से एक आदमी को मौका दीजिए तो अच्छा हो ।

सदन के नेता(**श्री सिकन्दर बख्त**): "वे आए घर में हमारे खुदा की कुदरत है" यहां "घर" हाउस का तर्जुमा है । हमारे हाउस में तशरीफ लाई और तशरीफ लाती ही रही हैं 18 साल से 19वां साल अब शुरू हैं । अच्छी उम्र है 18 साल की ।

सदर साहब,हाउस में जिस तरफ भी नज़र गई हैं,तारीफ ही तारीफ हो रही थी,मैं अपनी बात शिकायत से शुरू करना चाहता हूं । एक शिकायत तो मुरी मुस्तकिल है,उस शिकायत को दूर करना नहीं चाहती हैं । अल्लाह मियां इनसे नाराज़ क्यों नहीं है,मुझे ताज्जुब हैं,कि घड़ी-घड़ी इन्हीं को चुनकर भेज देते हैं । देखिए,नाराज़ होना ही चाहिए अल्लाह मियां को । ये अपना नाम,उनका पीछा छोड़ती ही नहीं,इसका कोई मतलब नहीं है दुनिया में । हर नाम जो अल्लाह से जोड़ा जाता है-नेमतुल्लाह यानी अल्लाह की नेयमत है,हैब्तुल्लाह यानी अल्लाह का तोहफा है । जब ये "हेपतुल्ला" होती होगी तो अल्लाह सोचता होगा कि मैं क्या करू? ये उसका पीछा छोड़ती ही नहीं । लिहाज मेरी सजीद शिकायत है कि आखिर ये अपने नाम को दुरूस्त क्यों नहीं करना चाहती ? जगह-जगह ये हेपतुलाह" कहलाती हैं ।

दूसरी शिकायत यह है कि यह जो हर कोने से सदा उठती रही है इनकी तारीफों की तो आखिर सेवा-ए-अहले नज़र का क्या होगा ? अब आबरू-ए-सेवा-ए-अहले नज़र का क्या होगा ? हम भी तो किसी न किसी नज़र से देखते है । अगर हरेक तारीफ कर रहा है तो हमारे तारीफ करने से क्या होगा यानी कोई मकसद होना चाहिए । यह शेर तो खैर बड़ा बेतुका है । पहला मिसरा मैं छोड़ देता हूं । अर्ज़ करना चाहता हूं कि-

"अब आबरू-ए-सेवा-ए-अहले नज़र गई ।"

पहला मिसरा ज़रा टेढ़ा है,इसलिए मैंने छोड़ दिया उसे ।

नज़मा जी चुनी गई ,उन्हें मैं बधाई देता हूं । एक बात जयन्ती जी ने कही और वह बड़ी खूबसूरत बात है । मुझे आजकल दोनो हाऊसेज का मंजूर देखने का मौका मिलता है और सचमुच जब यहां मैं बैठता हूं तो बड़े-बड़े सांस लेता हूं,इस कदर खूबसूरत आबोहवा है इस सदन की । नज़मा जी का चुना जाना,बुनियादी तौर पर इस सदन के जो संस्कार हैं,जो तरीके हैं,जिस तरीके से हम लोग एक-दूसरे से मिलते हैं,उसकी तर्जुमानी करता है । जिस तरह से नज़मा जी चुनी गई है,खुदा करे कि यह माहौल हम लोक सभा में भी पहुंचा सकें और सबसे पहले अपने सदनों में एक खूबसूरत आबोहवा पैदा कर सकें । नज़मा जी चुनी गई,19वां साल है,इसकी मुबारकबाद ।

†**نیتا سدن "شری سکندر بخت"**: "وہ آئے گھر میں ہمارے خدا کی قدرت ہے" "یہاں گھر" ہاؤس کا ترجمہ ہے۔ ہمارے ہاؤس میں تشریف لائیں اور تشریف لاتی رہی ہیں ۱۸ سال سے ۱۹واں سال اب شروع ہے۔ اچھی عمر ہے ۱۸ سال کی۔

صدر صاحب، ہاؤس میں جس طرف بھی نظر گئی ہے، تعریف ہی تعریف ہو رہی تھی، میں اپنی بات شکایت سے شروع کرنا چاہتا ہوں۔ ایک شکایت تو میری

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

پہلا مصرع میں چھوڑ دیتا ہوں۔

عرض کرنا چاہتا ہوں کہ:

"اب آبروئے چہرہ اہل نظر گئی" پہلا مصرع ذرا ٹیڑھا ہے اس لئے میں نے چھوڑ دیا ا سے

نجمہ جی چنی گئیں، انہیں میں بدھائی دیتا ہوں۔ ایک بات جینتی جی نے کہی اور وہ بڑی خوبصورت بات ہے مجھے دونوں ھاؤس کا منظر دیکھنے کا موقع ملتا ہے اور سچ مچ جب یہاں میں بیٹھتا ہوں تو بڑے بڑے سانس لیتا ہوں۔ اس قدر خوبصورت آب وہوا ہے اس سدن کی نجمہ جی کا چنا جانا، بنیادی طور پر اس سدن کے جو سنسکار ہیں، جو طریقے ہیں، جس طریقے سے ہم لوگ ایک دوسرے سے ملتے ہیں،اس کی ترجمانی کرتا ہے۔ جس طرح سے نجمہ جی چنی گئیں ہیں خدا کرے یہ محول لوک سبھا میں پہنچا سکیں اور سب سے پہلے اپنے سدنوں میں ایک خوبصورت آب وہوا پیدا کر سکیں۔ نجمہ جی چنی گئیں ۱۹واں سال ہے، اس کی مبارکباد۔

MR. CHAIRMAN: 1 join the House in congratulating Smt. Najma Heptulla on her unanimous election as Deputy Chiar-pcrson of the Rajya Sabha for another term. Najmaji has been a distinguished and an able presiding officer of this

مسقتل ہے، اس شکایت کو دور کرنا نہیں چاہئیں۔ اللہ میاں ان سے ناراض کیوں نہیں ہے۔ مجھے تعجب ہے کہ گھڑی گھڑی انہیں کوچن کر کے بھیج دیتے ہیں۔ دیکھئے ناراض ہونا ہی چاہئے اللہ میاں کو یہ اپنا نام، ان کا پیچھا چھوڑتی ہی نہیں، اسکا کوئی مطلب نہیں ہے دنیا میں۔ ہر نام سے جو اللہ سے جوڑا جاتا ہے ... "نعمت اللہ" یعنی اللہ کی نعمت ہے، "بیت اللہ" یعنی اللہ کا تحفہ ہے۔ جب یہ "ہپتااللہ" ہوئی ہونگی تو اللہ سوچتا ہوگا کہ میں کیا کروں؟ یہ اس کا پیچھا چھوڑتی ہی نہیں۔ لہزا میری سنجیدہ شکایت ہے کہ آخر یہ اپنے نام کو درست کیوں نہیں کرنا چاہتی ہیں؟ جگہ جگہ یہ "ہپت اللہ" کہلاتی ہیں۔

دوسری شکایت یہ ہے کہ یہ جو ہر کونے سے صدا اٹھتی رہی ہے ان کی تعریفوں کی تو آخر شیوہ اہل نظر کا کیا ہوگا؟ اب آبروئے شیوہ نظر کا کیا ہوگا؟ ہم بھی تو کسی نہ کسی نظر سے دیکھتے ہیں۔ اگر ہر ایک تعریف کر رہا ہے تو ہماری تعریف کرنے سے کیا ہوگا۔ کوئی مقصد ہونا چاہئے۔ یہ شعر تو خیر بڑا بے تکا ہے

nugust House. She has succeeded in bringing her long and deep experience as parliamentarian and Deputy Chairperson to help this House conduct business in an orderly, dignified and productive manner. She has earned our respect and gratitude. Her unanimous election has displayed exemplary parliamentary statesmanship by the ruling coalition joining the Opposition proposal. This is well for our legislative system. I hope that this spirit will continue to guide our work in the House and set a healthy example for democratic functioning with elegance and dignity for parliamentary system all over the country. I wish Najmaji God-speed and continued success in the conduct of the business of this House,

उपसभापति(डा.श्रीमती नज़मा हेप्तुल्लाह): मैं शुक्रगुज़ार हूं कि मेरी पार्टी की लीडर और प्रेजीडेंट मिसेज गांधी ने मुझे इस हाऊस में 19वां साल हासिल करने का मौका दिया। इस हाऊस के सभी मेंबर्स ने और हरेक पोलिटिकल पार्टी के लीडर ने और सिकन्दर बख्त साहब और उनकी पार्टी के तमाम लोगों ने,और जितनी पार्टियां हमारे हाऊस में है और जो सिर्फ अकेले ही मेंबर हैं,जो खुद अपनी पार्टी के रहनुमा हैं,उन सब ने आज सर्वसम्मति से,एक आवाज़ होकर मुझे चुना है,इसके लिए मैं सबकी बहुत शुक्रगुज़ार हूं । अगर मैं सबके नाम लूगी तो मुझे लगता है कि हमारा लंच-ऑवर भी खत्म हो जाएगा मगर मैं फरदन-फरदन उन सबकी शुक्रगुज़ार हूं जिन्होंने मुझे इस जिम्मेदारी के काबिल समझा कि मैं इस हाऊस को जिस तरीके से चला सकी हूं,उसी तरीके से दोबारा काम करूं । मेरी हमेशा यही कोशिश रही है कि हमारा यह उच्च सदन है देश का,जो हमारे इंस्टीट्यूशंस हैं जिनकी स्थापना हमारी आजादी के बाद हुई जिनमें लोगों की आस्था है,उम्मीदें बावस्ता है जो मेम्बर यहां आते हैं लाखों-करोड़ों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं,उस सदन की गरिमा को मैं कायम रखूं । चाहे उसके लिए मुझे कभी दुश्वारी भी हुई हो,मुश्किलें भी हुई हों मगर उस गरिम को कायम रखना मैंने सबसे पहले अपना फर्ज समझा और मुझे इस बात की भी खुशी है कि उस काम को अच्छी तरह निभाने में मुझे सारे सदन का सहयोग मिला । न सिर्फ लीडर्स का बल्कि सदन के सारे मेम्बर्स का भी चूंकि ताली दोनों हाथ से बजती है । आज मगर मैं जिस तरह की तारीफ की गई है उसके काबिल अपने को समझूं तो यह भी मेरी जिम्मेदारी हैं कि मैं कहूं कि हमारे इस हाउस के मेंबर ने भी मुझे पूरा-पूरा कोआपरेशन दिया है । मुझे याद है जब मैं छः साल पहले चुनी गई थी तो इलेक्शन हुआ था और यशंवत सिन्हा जी हमारे फाइनेंस मिनिस्टर वहां बैठे हैं यहां से उन्होंने मेरा नाम प्रपोज किया था । अभी प्रधान मंत्री जी को लोक सभा में जाना पड़ा । वह होते तो या मेरी आवाज उन तक सिकन्दर बख्त साहब या कोई और पहुंचा देगा । जब पहली बार मैं चुनी गई थी तो प्रधान मंत्री जी यहां बैठते थे और यहां से उन्होंने मुझे इस हाउस में आने की बधाई दी थी । इन दिनों में इन 19 वर्षो में कैसी-कैसी तब्दीलियां इस हाऊस ने देखी हैं जो शायद राज्य सभा की किस्मत है । क्योंकि लोक सभा में तो 5 साल या उससे कम अरसे में एकदम उलट-पुलट हो जाता है । मगर हमारे इस हाऊस में धीरे-धीरे ऑसमोसिस होता है,कभी किसी का पलड़ा भारी है तो कभी किसी का कम है । यह छठे प्रधान मंत्री हैं जिनके प्रधान मंत्री होने में मैंने इस हाउस में प्रिसाइड किया और हमारे मनमोहन सिंह जी जो यहां बैठे हैं यह छठे लीडर हैं अपोजिशन के,क्योंकि मैंने शुरूआत की थी सी.पी.आई.एम.के लीडर के साथ । फिर वक्त बदलता गया और आखिर में सिकन्दर बख्त साहब तो फ्लोर क्रॉस करके वहां चले गए । यह भी मेरी खुश किस्मती थी कि मुझे चार वाईस प्रेसीडेंट के साथ काम करने का मौका मिला और यह भी बड़े गौरव की बात है कि उनमें तीन प्रेसीडेंट बन गए हैं । मैं चाहूंगी कि यह रिकार्ड जैसा मेरा चौथ हुआ है ऐसा ही यह रिकार्ड कायम रहे । यह तो सब उनकी काबलियत थी कि वह प्रेसीडेंट बने । मगर मैं थोड़ा बहुत इसमें हिस्सा अपना भी लगाना चाहूंगी कि मैंने उनको कोई परेशनी का मौका नहीं दिया हाऊस में ताकि वह आराम से अपने दूसरे कर्त्तव्यों को भी पूरा कर सकें ।

पी.एम.साहब ने कहा कि यह भी यूनेनिमसली हुआ,नज़मा जी बार-बार राज्य सभा में आई और हम चाहते थे कि वह लोक सभा में आएं । अगर प्रधान मंत्री साहब इस वायदे को पूरा करें कि अगली दफे मुझे स्पीकर यूनेनिमसली चुनवाने की कोशिश करेंगे तो मैं जरूर नेक्सट् इलेक्शन में लोक सभा के लिए खड़े होने को तैयार हूं ।

श्री सघं प्रिय गौतम: बशर्ते वह प्रधान मंत्री रहें उस समय ।

डा.(श्रीमती नज़मा हेपतुल्ला:यूनेनिमसली होने के लिए सिर्फ प्रधान मंत्री होने की जरूरत नहीं है । एक सिंगिल मेंबर भी यूनेनिमिटी को तोड़ सकता है । तो इसलिए मैं इस बात के लिए शुक्रगुजार हूं कि इतने अच्छे सेंटीमेंट्स मेरे लिए कहे गए । जयन्ती जी ने यूमेन रिजर्वेशन बिल की बात कही । जयन्ती जी,मेरी तो ख्वाहिश यह होगी कि जो बिल आज लोक सभा तक महदूद हैं

The Bill with regard to women's reservation which is restricted ony to Lok Sabha should be extended to Rajya Sabha because I think, 'it will be discriminatory to keep Rajya Sabha out of it. Parliament mean* both'the Houses of Parliament, The partirt can think of it, the eminent- jurists can think of it, the legal luminrics can think of it. You cannot discriminate. This is my attitude and this is also In the manifesto of the Congress Party that this reservation sheuld be extended to Rajya Sabha also.

महोदय,बालकवि बैरागी जी ने और हमारे रेड्डी साहब ने इतनी अच्छी कविताएं पढ़ीं और आप तो खैर कविताएं जानते ही हैं । मगर मैं इनका जवाब कविता में नहीं दे सकती । मैं इतना ही कहूंगी बालकबि बैरागी जी से कि मुझे पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़ेगा क्योंकि मैं वहां बैठी रहूंगी तो सीधी निगाह आ सकती है आपके ऊपर । सिकन्दर बख्त साहब की एक परमानेंट शिकायत मुझ से रहती है मेरे नाम के सिलसिले में । सिकन्दर बख्त साहब,आज से 32 साल पहले मैंने इस नाम को अपनाया । यह मेरे शौहर का नाम है और शौहर तो मजाज़ी खुदा होते हैं । तो शायद इसीलिए अल्लाहं मियां ने मुझे माफ़ कर दिया होगा,अगर मैंने उनके नाम में थोड़ा सा गलत नाम जोड़ दिया है । वैसे किसी ने मुझ से कहा कि वह सिर्फ नुक्तों का फेर-फार है । इस वजह से वह मुंबई की जबान में हेपतुल्ला हो गया है ।

श्री सिकन्दर बख्त: गनीमत है कि नाम ही बिगाड़ा है ।

डा.(श्रीमती) नज़मा हेपतुल्ला: मैं हक बार फिर से आप का और हाऊस का शुक्रिया अदा करती हूं और इस बात का वादा करती हूं कि जो तरीका मैने इन पिछले बरसों में अपनाया है,वहीं तरीका आप मुझ में पाएंगे और मैं उम्मीद करती हूं कि आप सब लोगों का सहयोग इस काम को करने में मुझे मिलेगा । आज जब सारे ही इंस्टीट्यूशस के ऊपर प्रश्नचिन्ह लग गया है,लोग क्वश्चिम –मार्क लगा रहे हैं,ऐसी हालत में अगर हमारा यह सदन अपनी हक मिसाल कायम करेगा तो यह हमारी देश के जनतंत्र की फतह होगी,विक्टरी होगी और इसमें हम सबको मिलकर काम करना है,सहयोग देना हैं । चेयरमैन साहब,मैं आपका और अपने सभी सार्थियों का शुक्रिया अदा करती हूं । धन्यवाद ।

MESSAGE FROM LOK SABHA

The Appropriation (Railways) No. 3 Bill, 1998

SECRETARY-GENERAL: Sir, I have to report to the House the following message received from the Lok Sabha signed by the Secretary-General of the Lok Sabha:

> "In accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to enclose the Appropriation (Railways) No. 3 Bill 1998, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 7th July, 1998.
>
> 2. The Speaker has certified that this Bill is a Money Bill within the meaning bf article 110 of the Constitution of India.",

Sir. I lay the Bill on the Table.

PAPERS LAID ON THE TABLE

(I) Reports and Accounts (1981-82 to 1995-1996) of various Agro Industries Corportion and related papers.

(II) Notification of the Ministry of Agriculture.

(III) Report and Accounts (1996-97) of National federation of State Co-operative Banks Ltd. Mumbai and related papers.